Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

दोषकदृष्टि जेअज्ञान वालइ वादी एकमेमयाविनानइ उपायनजोएइ पणिनेकेटे मिथ्यादृष्टी अनार्यदृष्टवा मृगलालानीपरि संसाररूपण सईबैक्षणानेअज्ञानी धानविनाजायामइ अनेमी बार १३ बोल्यण परिछा विछोघ जकेदि

यनासिज्जाणंतिमिच्छदिठीअणारिया मिगावापासबंधात घायमेसंतिणंतमी १३ माहणास

शोषइकेके एमर्दइकल्यानेमघलाइन सर्वलोकमाहिनेप्राणी केतलाइक इज्ञानआपापणइकूडइ तेनजाणइंलगारमात्रपणि नजाणइंतेकेम १४ लेछआर्यनाज्ञानइ अजाणअम लेछआर्यनइअजाण

मणएगे सच्चेनाणंसयवाद सच्चेलोगेविजेयाणा नतेजाणंतिकिंवण २४ मिलखुअमिलरकूस

जिमजेनाप्यइ तेदवुइजइ परातदनइदेइपरभो नाधानइंकहइनाम्हेइएहवो नाधमानइंकहइलोलइ ध्रु नजाणइं १५ एणीपरिअज्ञानीजानर हितज्ञानअमोलाकरीनि तेअज्ञानवादीस्कमेलइजइ मार्गकहिपणितेजइ

जहावुत्तापुत्तासाए णदेइसेविओइ लासियंतपुत्तासय २५ एवंमअलियाणाभि वयणाविसयसंये

निश्चयार्थ नजाणइं मलेछनीपरिअज्ञानरहित एहनि दोषदेषाकहइछइ १६ जेअज्ञानवादीतेहमकहइछेअ ज्ञानकूडइ।अज्ञानभलोजाणी इछइतेअज्ञानरहित आपणा आत्मानइ

निछयछनयाणंति मिलरकूवअबोधिया १६ अन्नाणियाणवीमंसाणाणेणविनिमछती अप्पणो

पणिअज्ञानइ करीममजावि वाअमर्म ऊजोकिसाथकीअनेरानईं कोजिमतेजोवइदिछिनइनिलय १७ बननईंविषेकीइकदहीमूढथ गोवाणकरीनइं हिजाइ पणि नेखिछंनइं नाअजाणछिको एतेमार्ग

यपरेणंतं ऊनोअन्नाणमाहंसु १७ वलेमूढेऊछोजइ मूढलोयाणुगामिए दोविएएअकोविया

तीहअतिहि वांकसंतापमा दइपडइ घणाछ:रकपामइ १८ वलीछीनइहणेतकाहिछि जेमपोनइअधबनइ।अनेर मार्गईजानइ लेईनातइवेगजइ पामइबनमार्ग अंध अथवा अनेरइंपथ इजाइ

तिव्वंसोयनियछई १८ अंधेअंधपहंनितो दूरमद्धाणगछई आवछेअप्पहंजंतं अदुवापथा

राअंधनइंछ ६

उमार्गइ जाइ १९ एणीपरिइनावअंधविकाइ धर्मआराधकअलेएहवो केकमोक्षनाअर्थी अथवा अथवा अकेकनकायनइआ कदीथइं तेमर्वअकारइमिथ्यावी रंनकरइंअधर्मजआराधइ सरलमार्गजतिनपामइं २०

एगंतमिए १९ एवंमेगेणियायदंडी धम्ममाहंसुगायये अदुवाअहममावंसे एतेमबुद्धयंवद २०

पणिघरिकेतलाइकेंअंधो नवारीवितनकीवातोकरइ दीनिमइनलतेमाभाइमनइ अनेराअरिहंतादिकजानवा कहइछअम्हारइअमानजपणइ कल्पितगीतइतेमाटेइकहइछे कोनातोवितर्कविचारणायइंइम एमार्गमरलइनलइ तेहकोकी २१ एवंपन्नवेलि आइपोता

एवंमेगेवियकप्पेहिं नोअन्नंपकंकुवामिया अप्पणोछंदियकप्पेहिं अयेअज्झदिछमई २१ एवतका

नीमनइंकहिनाप लितेअज्ञानी धर्मप्रधर्मनाअज्ञान अजाणा तेवलीकर्मरूपकरकतेनजोइइ कर्मधकीनछूटइतेकेणीपरइ २२ पणीपाजरइपामइजि मथाजराधीनछूटइ इविएकांतवादीनइंमतरूपवइछे वीतरागनुमत अर्थमतानइ

जेहिंसाइता धम्माधम्मअकोविया दुरक्खातनाइजुइंति सत्तीपजरंजहा २२ सयंसयंपसंसंता

निंदंता अनेरानइंमत तेनेएकांतवादीलिसआपणा निविवेकीमकरीमानता तेमेमारमांहिनमइ त्रिविधपरिग्रहि हइंकर्मइंबधीणाघकारइ २३ इमतकहिनइं इवइक्रीयावादीन अक्रियनेतर अनेराधीपरा पइंदइकेसइंकिम्पइं

गरहंतापरंवयं जइतंजविंतस्सिति संसारंतविंतस्सिया २३ अन्नाणवाईवीता अहावरेदुर

क्रीयावादीनइंदर्शना तेक्रीया वादीकहवालइंतेकहइछइ कर्मबंधनरूपाविचारवइ तेमेमारनावधारण तेमाइंपरामअजोण २४ जेमुकमजीवजीवनिस्पीका माइकरीअनाछरीतेहनइकं ४ मर्मबोलमाइं ५

रक्खंकिरियावाईणदरिसणं कम्मचिंतापणठाणं संसारस्सपवड्ढणं २४ जोणंकाएणणाइहो

अजाणनइंतेहुकबाजीव नइहणइंतेहनइंकर्मनलागइ ईअन्नानकरमबंधक मुनिस्पीनविधिपरिहरइ कर्मनुबंधथाइतेकहिइइ तेकर्मनुबंधथाइतेकहिइइ ॥ जेणिकरीनइं पत्राणिकर्मछिनाकारणतेक कीजइपाप। इइनइं

अबुद्धोजंचहिंसति उछावदइपर अवियंतेरक्खसावेछ २५ संतिमेततोआयाणा जेहिंकीरइं

स्थानांगसूत्र ६

कल्प मोटेरषीश्वरे तेणइमारकीक्षीमायानी तेणिकारणिलोक अशाश्व वलीतेहजकहइलिश्रुतमा इमकहइ। ईसोघकीनीयन
पजाबी तेजअनिसनालिवर्त ७ श्रमणनिर्द्रोयाएमुयअ उपजातसबैमिथलउगइ

चुन्नेमाहणिणा मारणसमुयामाया तणलोएअमासए ७ माहणासमणाएमे आहअेडकन्निज
पवत्तेसाई। मघलाईतत्रप इमकहेतेजायण। परमार्थअजो स्वकहितआयाएणइपर्या एलोकइमकहइईश्व तवपदार्थ
दार्धकीक्षनवई णतघिकामृषाचारबोलइ ८ अमुकइकरीनईबोलता रादिकिकीक्रिछि तेवादी

मंगे असोतन्नमकासाय अजाणंतामुवेसंवरे ८ सएहिंपरियाएहि लोयंसूयाकमेत्रिय तन्नंते
लोकनुखनाव एलोकविणभइनकदाचिविणा अमनोज्ञअलक्षनअनाचार हिंसादिकइछेदीआसवईएहव दुखनीउत्पत्तिनजका
नजोणइ ऊलिकीक्षनघीएहवउत्पत्तिमाट ९ तेहवकी।जेहवीउत्पत्तिछि उजोणजोईइ जेणोतानाकीक्षीयो रणअणजाणंता

णविजाणंतिवविणामोक्खंपईवि ९ अमणुन्नमुप्पाइं दुक्कमेयाविजाणिया समुप्पायमजा
जेता केणापरइजोणमि।तेउक्षमकी मनुष्यनईनविमुइघाइ।पा ,एणइअलावईकेनलाएक पुनः रागद्वेषइ तेआत्मा।मो
वानुकारणभवपरवइ १० परस्तिथाइं आत्मामुक्तिजाई नामनविविषइकलीछि वली करीनि समाइईछ

×संमसमालं णंतां कहेनाहतिभंवरं १० मुहंअपावएआया इहमेगेसिंआहियं उलोकिड्डापहोमेणं से
तत्तकम्मरनिअभूइ ११ एमनुष्यनविरूपजानिभंवि मलइवलोकइ पापरहि पोणानीपरइजिम निर्मलत्वपाणीतेरजनइ
घाईइमत्रिराशिकहइ भलीधईविमुनिघयजनपर तथायइपछिमुक्तिजाई वली योगइमलिनघायइतिम

तत्तअवरज्झई १२ इहसंवुडमुणीजाए पच्छादोईअपावए वियडंचजहाकडंदो नोरयंसरयंतहा
१२ पहुवीकेवारीतहनोवचन जेपरवादीनइसत्यचर्यानि नअन्यमार्गीपरवादी कलाइ।आपापणापइदर्शन आपापणादर्शननइवि
आलोवीनिमेभवीपछिन× विमोतयापछीनवम× दर्शनीमघलाईपछि कुकुडकरीनिवर्षालइ १३ वईअनुक्रमेनदीसाघकी

×आत्मा जोणिवुं ×

×संमसमालं तत्तं× ५

मनमाहइकंध रइ× ६

१२ एतासुवोत्तिमेदावी वतचारणतवाम धुतोपावाईयासहे आकायारोसयंसय १३ सएसछन्दवना
×६ पतजिनछंसंयमनयानि

सिद्धिनइक्कारणकेइईपछि पहिलेइलइ।दवणामुक्किनइ सरघघ्नकोमनोगवो तेमिद्धके रोगरहित इहलोकनइविषइकेन
अनरइदर्शनइमुक्तिनथी दइनइआत्मादर्शनथीजीव लईनेयामइतथामि १४ केहनो लाइकसिवनइमतिल
आलोचनाईछीनइजापण क्रियामि भ्रम कहइ

×६ यामरलोकन रनापर२५× २

लो सिद्धिमेवनअनत्ता अहोइहवेवसत्ता मइकामसमप्पए १५ सिद्धायतारोगाय इहमेगेसिंआहि
सिद्धइजे आगलिकरी आपणाअनेतीथीअनइविषइ १५ तथापछीदर्शनी संवरहि परिचमणकरइवारवार धणाकाल क्रमजइ
नइ गइलनाअनेकारइकइ× तत्यल्लादिममारमाहि नरगनाकंकप्रतिपामइ जगइ किसो

यसिद्धिमेवपुरोकाउ सामण्णमणुपालिया १५ अमंवुकाअणादायं समिहितिपुलोपुणो कलंकालमुवे
म्मानका अमुरकुमारनापामइ।कि इतिकवीमि एवमन्नअध्ययननिविषे जोजइजइदे मईपूरमघमुं दवइ
लमसोअधमजातिपइवोलानकथामि इति १६ चउछुइदेमुधारनाइलिईसो जेइवंईमतकस्सानेमतकहितिं

इतिब्रह्मणाअसुरकिब्बसियाविवेमि १६

×नवाधिकाः×

एइवंईकस्सानेनीयाछिलइ तवोनमूलगुनाआपणा जोगीनइ। इविजइसयोगाध बंधनापरिहरनइविषे। गृहस्थ नेपाधतीलोकनइ
नेतीघजीवनिसरणनणीनघाई आत्मानइपछिनकरीमा× नक्षत्रादिकपुचकजतादिक नाकत्तकोपचनादिकंकरइ १ निचुचारित्रीयो

एतज्जियालोनमरणं बालापछियमाणिणो दिट्ठाणंछुद्द संजोग सियाकिच्चिवएसगा १ तंचत्तिरक
इक्कपरिसाविद्वांसयंछिनइ नेदर्शनी तेकर्मरहितनएतलिआवेमरनइ ×एहनइमाधाघोनाइपरनि २ एहस्यनइअविनेनीमनइति
यजोणीनइ निविषेमूजायइनही दालणसरपरतीधूनुमंसगंजि ब्रीलमरलकूरइमयमनइवि आसारआसमात्र।गवेमइजोयइ

परिन्नायविद्यातसुणमुच्चए अणुकस्सेअणाएनो निरुवलेणपरिव्व ३ कफसुघासमेसमा
पंडितनिर्जरानिमित्तइदा आहारनिविषइअमूर्छमू परनइकोधकरइ ४ एहवइतेयाघरीलोकनुवादआमा एलोकमाहइइकेक
ताएनइदीक्षनइतहनाए लेरहितनेआहारनइवि ममत्वनवजि वलीमतिकहइनेमानतीनिवाची नीमनइकहुवइछ
अणानइविषेविचरइ वेगगइवेरहितनेमाधु जाणीनइ लिगलाधए

चित्तदंतमणोचोर अणिहोविषमुक्कोय उमाणंपरिवज्जए ४ लोगवायंणिसामिज्जा इहमामेसिआहिय
रागद्वइहितमध्यस्तनाममा कलीपरतीरबोकेहवाछि धनधान्यादिक नमनइविषेए४ धिकीइहलोकनइवि जेतारिद्रधनइलइकिंचि
कआपणसुव्रतव्रतविइ २ पवित्रहनइविघइमूर्छितजीवघातआर घइछक्कदर्शनीनइइहमतिकरी ×मात्रपरिग्रहइरहित।जो
ज्ञानसारनरहित

×लोणमप्पेणमुणिजावए २ मयपरिगाहायमारंभा इहमागंसिआहिय अपरिगाहायअणा× ३० ५×

विपरीत। प्रज्ञा तद्बुद्धीऊ अनेरा अविवेकी नई मनई जेना करणा तेह बीऊ पनई स्यु तेहनि अनुमारई नाम नई ५

एलोक अनंत नई। नथ नई एलोक मांथ नई अने महिन नई ए लोक एतलि स्त्री तथी पुरु एलोक विण महिन ही द्वीप। इ समुद्र लो कनि त्य नई जे

हिय विवरीय पन संतया अन्नो हि बुइयाणुय ५ अणंत निति एलोए सासणं विणस्सई अतवाणि

स्त्री तथी पुरु तेह नी इ मकहई आसरिया जेह नुं होय घी कालथी अमा एह लोक मांहि इ की कहई बुद्धी नि महिन परमाणु महि

पने पुरुष पवं स्यादिक धीर अनेक गुण बंत ६ णानघी। तेतलं जांणई। पर निइ मकहई जेम आचारि नां थनि तनई

रूप इमरहई। वली तेह जे कहि छि मर्दन घी स्त्री मांअपर माणु नाम नथ

तिएलोए इतिधारोत्ति पासई ६ अपरिमाणं वियाणाई इहमेगासिं आहियं सव्वन्नमयरीमाणे

इमधी रखुइ षदेखई। सव्वंसु इवई तेहनई उत्तर कहि छि तिण इ कइ अथवा धावर एम आयापणा कर्मन इं परिणामइं जेलइं जे कर्म

देवेवली को इ कइम कहई ७ जेकोइ त्रसथावर लोकनी वेदी यादिक दुर्गा दिक इम कहई जेने ८ लइ त पर्याय। कें उपर्याय ए कीधउं तेणइ

इतिधारोत्ति पासई ६ जे केइ तसायाणा निद्धंतिऽऽवेथावरा परियाएणऽऽत्थि से ऽऽउ जोएतेन

धावर घाइ था पर इ उपरि इ छीतन कहि नई विपरीत रूउ इ पास इ ऽऽउ सर्व जीव शरीरी मन मीड एणिकारणइं मघला जीव इ

वरात त्रसघाइ ८ उदार अजीव नई मांथारयो गर्भिन इ इ छीत जांणि वउं एक इं कहीन इं आमलइं णवान ही

सथावरा ८ उरालेजंगतोजोगं विवज्जयंसंपलिंतिय सव्वेऽकंतदुक्काय ऽऽउमाघ्रंऽहिंसिता

ए इ जनिश्चइं जानुं मार जेणइं कारणइं कोई जीव जीवनीदयाता। मिछान नई मार एतलइं जो जोष्यइं १० दिवधनना

निहणिनही कें थनमांत्र समता मर्वत्र ममइ परिणाम जोई इ ब्रह्मचारि मा

ए एवंखुनाणिणोसार जंन हिंसइ किंचण अहिंसा समयंचेव एतावंतेवियाणिया १० बुसि

माचा राइ वमइ आसारा आदानयां मीनइं म नेचालवइं ई र्यापथइं आमनिं नानयाणा नई विमइ। निद्रेषि ११ एनेइ नेक्रिकहयातो

हिकनी तीज्यन बीजतान प्रमुख कारिराखवइ वइ छिवउं तेपछि लेदीनइ ऽ आसारनी ग विधण करइ त्रलिस्थानकनविषे

तावियगिद्धीय आयाणं सरवए चरियालं मणसिद्धासु नत्तपाणियऽतसो ११ एतहिंतिहिंगा

ऽनमंतेइ पाश्रय। शिष्यामंद्याऽ

संयतधि कवा निरंतसुं निऽकहिनामाऽऽ उक्कसिमान क्रोध। मोन माया। लोन मध्यस्थ लावइं ए करइ पंचसमनई समनई सदा सर्वकाल वली माधकहे हुवं पांचप्रकारे संव रतेणइं करी मं हुनमवेसमइ

कषाय ना विषा कनु जाण सुनी सदा इं ना माहीइरि १२

लेहिं मजंतमयं मुणी उक्कसंऊलणं नूमं मअन्नं चविगिंचिए १२ समितेउ सदासाऊ पचसवरसंवु

गुदमा हिकवेषण तेहनिवि आउनपरिग्रह थी वेगलु रहि किहालगइं जिहा १३ एहपरिऊइं ममयानामाऽऽभ्ययनकहुंऽऽ

बइ अणइ स्सलु एहवु माऽऽ वे मोहनाइ तिकालगइं संयममालि। इतिऽवीमी ममऽऽध्ययनकहुंसंऽऽलघ्यइंणा हवइ इ

DR. BHAU DAJI MEMORIAL

के सिएहिंअभिनंसिद्धि अप्पोदकायपरिवेपछासि निछेमि १३

ताजानामावीजइंअध्ययनहिलि अहोउलोकमऽऽचारिरू ज्ञानादिकमूलसोधि बीजानि निश्चइं अतिकमीजरात्रनेवेली

जिमकर्मविदारीइ तेनावकहिले पधर्मकोइंनथीलऊता ऋइ परनवइं ऽलेनइं पाछीआवइनही

सवुथहकिनेउथह संवोदारवुपेचऽऽन्हा लोऽऽउवणंतिराईउ

पामतोमोहिलइंनही पुनरपिवेलीमं बालथ इछाव देषेउ गजमाहिथकीपलिमरणपांमइ मोचाणजनिमो तीतर

यंमनोवननयामतांदोहिलेउइ १ का लइ हे मनुष्यकेणीपरि नइ हरइ

नोसुलसंखुणराविजीवीयं २ डहरावुहायपासइ गब्भत्थावि चयंतिमाणवा सलेऽहहृदयेहार

एणीपरइ। आउषीनइ स्तयइं एक्क कयउ एहवउं जीवन जीवन पितानइं मीहइंकरी। ममारमाहिन सुरगतइं। परलवनइविं

हरइछइ। आउषेखूटइछइइम २ जननी कोइक वावफजी माता मइं नेहनइ मुलसनघा नइ एकलाते

एवेऽऽउरक्कयंमिऽहई २ जीवाणजीवीयंमाया पियाहिलुप्पतिनोसुलभा सुणीविपेचऽऽए

नयनाकार ला देषानइ आमरनथकी। निवर्तइ। मुक्तनीशो २ जेषइं का रहीइ। एआगलिकेहोमइं कर्मइकरीनइ। फुरकइके

नसहजसुलहं हवइ नवेषानकऽऽअसमप्पए ऽ जागमाहइ जेऽथवीनइ विषइ। इष्ठ× रोनइफाववाइ नरगइं×

याइनयाई पिहियाऽऽसविरमिघसुचए ३ जमिणंजगईपुढोजगा कम्मेहिलुप्पईपाणि

×गऊहार जीवनाखानकहई× +जीवनइ×

सूयगडांगसूत्र० ८

णो मयमेवाकडिहिगाहइ णोतस्समुच्चेअपुट्ठयं ध दिवागधव्वरक्खसा असुरात्तमिवरा

रोयचक्कवट्टिअमुरराया सामान्यमनु नेरइयानेरइयत्तेण मनुष्यानकाजि कामनिमयादिकनोगासातोपिना

अनगारमेठि श्रोसलणमोनाना केदवीदिका ६स्त्रीयादिका वलीकल्पिते दिकमरिचमनोलिकरीहदिका

सिरीसिद्धा रायानरासेट्ठिमाहणा ठाणातविचयंतिकक्किया ५ कामेहियसंथविहिय

कर्मनामहणारुइंकालइंकमनोग ताऊहत्तनइंकलूजिमविदिधी इम। आउयानइंचयइंविणमइं दृ जेकाईअकुश्चन

वधानिअलावइंजीवनिआगमीइ× वधूदइतिकारइंअनंसपमइं जावीरइंकोइजावीनमक्कि रासनायारमंगा

कालिकमकइं

कम्मसहाकालेणऊनेवो तालऊदवेधणंचुय एवंआऊरुक्यंमिउहति ६ जेयाविव

मासियाकहिं धम्मिकधर्मनाकरणारणाहालणालिस्क अ० कर्मसंघडामायातेलाईकरी की तीवुआतिहिं तेनरुवउकउक

नांऊइं निंदाअहनसीलवकाऊइं मकर्मनिविषईमूर्छितगधधिका मईकरीयाईविलोगमईं

×एहवउकोइक दूजीनारिसहणा मानि× ५×

×मग्गमार्गसंघडा मासद्वामाइहुवं निमूल×५×१

×धकीपरलोकए छिऊंवीन्यहमाइ× ५×२

ऊम्मुएसिया धम्मियमाहणनिरूएसिया अनिनूमकऊहिंमुच्छिए तिव्वंसेकम्मेहिंकिच्चे

नवूं हवइंनानदंसनिचारित्रविनामोक्षनही पलिसमयजोनमायइंसंसारमझइं इम। कहियलिकरइंनहीं।अनोनेपुणमाहि अंत

दृ एहवउंदेखाकहीछि।अहदेविएहवइ× तरइ।इहएमंसारनइंविमइमोक्ष× तेरुनउमार्गचित्तुमांमाहि। किसाधीजाणमि।इ शलइं

हलोकऊकिल्ला×

तीउ अदूपासविवगमुछित अविनिनिहनासइधुव णाहंमिआरकंउपरिक्लासक

छिऊंनइ। योतानिकोधि यद्यपिनेतापमाहिकआज्ञाधीनत्वछमर्व यद्यपिनेअमनीधीजिमइ।माममामनइं जेमरनाधीइहएमंसारन

कर्मिकरी।समारमा× ८ वासपरिग्रहरहितनथा।उर्बलीकीध× ग्रंथनईधारणंकरइ इविमईमायासहितमे×

मेहिकिच्चंति ८ जइवियणिगणेकिसेचर जइवियलुक्कियमासगंतसो डेहंमायाई

योगकरइंकमाईसहित ×६

×किपीमाई।कथांमइ ६ ×उत्तिरारी।एहवउंछिकउंविचरि×६

×इमागईरहिमेवु एहवउनावकरहु लइंकर्मजाणीनइ ×१×

×कर्मजांणीसुक्क रइ×२×

×ऊलउपरिज्ञानरऽ कहइंकइं।परीसह उवसमगणिनावनो इंकहिंछइ ॥४

×आलोचइंपूर्ववत ×५×

तेआगामिककालइं।नर्कादिकनांऊरुक अहेसुरुओ। निवर्त्तेा।पापकर्म कप्पोपममाहइं। मनुष्यनउंजीवनमाहि जेछकममनेहक

पांमइंअनंतानंवार। तथाअनेनउंममा बांजेणइंकारलइं इकर्मजांणीनिधर्मअनुष्ठानइंकरीमक रीएमनुष्यनवइं

रपरिनूमणकरहुनालंकारणमु× जनकोजइं

मिच्छइं आगतागआयणतमो ए सुरिसोपरमपावकम्मुणा पलियंतमणुयाणजीवियं मन्नाइहका

कामनोगानिमित्ते मोहनइंविषइंपुऊजइंनेनरऊम १० चारित्रनइंविघइंएमकरइ।विरिरि मइंमोहनीवजेलिपंचमाप्रीछि इकर्मजांणीमा

मूर्छितथका हिंसादिकस्थानकथीअनिवर्त्या।इ× केदवउंछतउ।मंदमयोगवंतथकउं तेईएसिमतिविनाऊतरुकइं वधनमणइं

ममुछिया मोहंजतिणराअमेवुडा १० ऊयतविहराहिजोगवं अणुपाणपंथाकरुनरा अणु

दीक्षइ।जेनीधंकस्त्रीआज्ञाइमी मर्वतीर्थंकरिं सम्यगप्रकारि तेवीरुकेणकहइंछइंहिंसादिकधी क्रोधकारीमायालोसमानमरिप्रदने

पामइं।तिमआज्ञाइपराक्रम प्रकर्षइंमोक्षवउंकस्यउं ११ निवर्त्यउं तीर्थंकरजाणवउ।आचार इविमलआहारमईणाहारकइं

करइवानइं नइविधइकरी

सामणामवपरक्कमे वीरहिसमयावदिते ११ विरयावीरासमुट्ठीया कोदकारियाईपासणा

तेवीरजानवनईदुखइंनदीमनव वापमावद्यअनुष्ठानधकीनिवर्त्यक्रोध नहीं। एशीनउंलाहिकऊस्कंईकरी।इम पीवाइछिइहलोकन

चनकायाइकरीमर्वदिशाप्रकार दिकनइंउपमममावइं शीतलकृतयाएह १२ वकइंजएकलउपीवाउनहींछिउं इविमईश्रीजीजीवन

वागरनाछिना

पालेणदूणतिसत्तसो पावाउविरयानिनिवुडा १२ एविनाअहामचलुप्पए लुप्पंतिजोगेमि

ऊऊमकं पणऊप्रकारइं।ज्ञानदर्शनिचारि सेहरहित कोधरहित।तेमहासत्ववंतइं दालीनइंहातमकं नीतिलीपणपतलइं माकएहवउं

जाणा वइंकरामहिनवुंछिकरी× वरीमइंकरमथंतमरीमइंउवमर्म× १३ लितिऊंबलघाइंवइंपलीपरइं इवलनउंक

पाणिणो एवंमहियंपासए अणिहोसंपडिहियासए १३ कलियाकलियोलवंव किसयए

रइंशरीरऊणमणादि बिनिधिपरइंहिंसाधीरहित आदरइंजीवनइंहितकारीधर्मआदिमाल मुछिनाघेणिणी।जिमारऊइंघर

कनयऊंकरीऊंदेनिक इमअहिंसाइंजेवहइंवजीप लएहवउंमुणिणा सर्वजइं।कलियउं बोलीत १४ काऊंनो।अंगपूणीनइं

रइं कांकइं

दमएसणाइंहिं अविहारामपन्नए अणुधम्मीमुणिणापवदितो १४ मउलीजहपंसुगंडिया

धमयतीयलइ। सियंस्यं खेक्खलीर एलीपरिसुक्किओमाणेउवक्खंन कर्मअणप्रकारइ।सेपवइउलइ।तयस्वी इविअनुकूल
जअंगधीवेगली करइं नयविरोध। तेहनउकरलहार माझ।मइलअइएहवूंजेहनुंउयदेखि १५ उयमगकहिजि
एहवंउ
विजणीयधसयनीसियंरयं एवंदविनाचदाणवं कम्मरवतिनवम्मिमाहाण २५ उहियमण
ऊगुउसझकाएए श्रमणअपत्नीस्वानकस्थितउ संयम बालकबुआदिक।मानाधिना नेअविकेहतीअधि।सुसेअमपोमइय ×आपणइवमई
णानुपालनलहार निविघेपवनइ। एहवानपत्नीकदा दिकहइ। मनुएकहीनाप्राई लिनयनहीकइ तनेमाझनिलेघणा× करीनमकइ।स्वज
ना करि नअुत्रमानादिक×
गारामसणे समणझाणठितेतवम्मिणं उदरावुद्दोयपन्नए अविसुस्सेनयतेलजणा २६ १६
×घकउ×३
यद्यपितेमानापितादिकनेमाझनि यद्यपि।रोइगाढई२रोइईकरी।घरनि मुक्किगमनयोग्य।तेमाकरागदेष एहवोमाझनि
ममोघइ।आवीनिकालेअनेकुकरू× कारणइंजेमाद्।दियकजलइमकइइ रहिनथक्का मयमनावियकअइ× दीनाबीनमक
अइकालुणियाणिकासिया जयारायतियघनकारणा दवियासिरुसमुठियं णीलनंति
इ।तेमानापितादिकनेमा २७ यद्यपिएनो।तेमातापितादिकनेमाझनें यद्यपितेमाझ नइंजेईआईनेमअ यद्यपितेमाझमरणवांछि पणि
झकनइ एहलीधा म× कोमलोगइकरी।आमंचइओनवइ नाहकचोझनइघोला नईघरिपणि अमंमजीवतनानवांछि
णसठिविए २७ जयवियकामहिलावियं जइणछादिणेविउघरं जयजीवियनाव
एहवासा मोतईवसिकरीनमकइं।अनइएह केदोचितनतनवदीत्तेमाझनईजीव माया पियाय सुआयअ नारीमानार्यादि
झकनइ सूपणइंपलिघापीनमकइ २८ वइंतेस्वजनकेहवा।असंतसेहवेत माता पिता त्रादिक कनइतनें
कंरवए णोलनंतिनसठिविए २९ एसदंतियेणं ममाइओ मायापियायसुयायनारिया
एहवइघिनइअस्कुयीअइरूडी इहलोकधी।परलोकधी।लहइधाईमिनेमादिमा ३० कोइकवलिघाईनेकहनइं कोईक मोहनइवि
नइजरइकरीजोई।उवेउत्र× चित्रनईपालेइवइमोमवइमेवाकरवइकुणवि माझ स्वजनादिकनइ।मोहह मरणा× वइलुह
यासाहिणपासउत्तमे लागपरंपिजादाऽहियोसाण ३१ अनिअनाहिमुच्चिया मोहइ
धिको×१

×वइएवजनाघा चइंतेस्वजनरमनुप्प अमंयमनेहनइं।विघइंतेणइअसं तेपापकर्मइकरीवली।धुधुता जइनेहनइंएविपाकतइस्क
मवरहितनता यममतीएहस्त्रिअसंयमनइविx पापकरतालाजइनहो ३० देवउतकहिजइ।तेणइंका
रणिमुक्किओपुमाझइ
×नाविनादिकनी मूलीतिपापकर्म तिणराअसंवुडा विसमेविसमेमहागिया तपावहिंसुणेपगच्चिया ३० तम्हादिविइरक
नुकारणालइक्कं ख०अणो पापकमथिद्धीवेरनेनिवर्त्तक्रोध चिनीतेकर्मविदावामघंमहामा तेपापकर्मइंकरीवलीधुधुता ३१
आलोचइ।पंकत चइमाx नइजोइजइजीतलीनूनात धूतेमार्गकेहवत्र पापकरतालाजइनहीं ×
निवेकयुक्तं×२ पंडिए पावउविरतअलिणिबुडे पणयावीरामहायादि सिद्धिपहणायाऊयेक्व ३१
कर्मनउविदारणहारा।मात्रनि मनइ वचनइ कायाइं संवरजुपा गंढीवली धनलेम्याकिकारात आरंनलांघीनइं नलीमरइंइडो
इनेवलेआयाघकक्कतत्र करी करी करणइंजणकार आदि सुजनवासालेमरनि नइंसंवरतउ मेममाणुणनइ
वतालियमगामागउ मणवयसाकाएणसंवुडो चिच्चाचिन्नंचणायतो आरंतेचमसंवुडचं
ता।विधमतीधइतिक्क ३२ वीनाअयनक्खपरिजरकइमउ।समामःसंहसंघियोयु १ दवइबीघ जिममर्यश्रीपलीबनाकोवली
मनइयानइ बीजि उईमउत्रारनोहइइ एहमउसंघधी।जइउदेशेइमाननउपरिमागकलेवे माकइनिमनेमाझकमरूप
२ जेमाकइ
रक्खामि निबंमि ३३ तमसंवजहोइसेरयं
इमजाणीनइं माझमासामामदनकरइ गोत्रकाममगोत्र।तधाअनेरामदनायं अधमनंनर।अनेकारी।अनेरानापिणिदान १
तेमदनउकारणकहइजइमदोहइ मएकलरूपाहि।माझमूनकरइ करइंदवइपरानिंदाउइ घणादवमाहइजइ
इतिसंखायमुणीणमझनी गोयऽनत्तारणमाहणे अहामएकरीअन्ने सिंहरिकणी १
जिकोईमूर्ख।परनवइंअवदीलि तेपुरुषसंसारमाहइंपरिभ्रमणक तेणईकारणइंपरनिंदा।एहवी इमपरनिंदानादोषजाणी
निंदइअनेरानइंतकर्मबंधी २६ घणाकालजगइं पापिणीलइ नइमाणिदमदमाहिंभ्य
जोपरिभवतीपरजणं संसारेपरियनईविरं अडइरुकणियाउपावियाइतिसंखाए

Digitized with financial assistance from the Government of Maharashtra on 11 June, 2017

वंदितवि जेमलस्स्व वंतलुरुमनिं नेकोमाधएस्त्री तेनस्या कमधिकीमूंकाणा तेम तेणइंकार मोक्ष तेहनइं जेमुरुष
वेका १ कहितेणइंनमेव्यातधाम्रुरुइस्त्रावा× रिषाकखा हाइं देखुं ए

तिपंडिया १ जेविन्नवणंअश्रोसिया सनिन्नहिंहिसमंवियाहिता तम्हाउदंनपासह अह
दीवाकामनोगारोगसरिषा अत्रप्रधानरत्नचक्रादिकावाणी सर्वइ। राजानतथाव्यवहारीआ इमपणि।प्रधानरत्नउत्प
तेतस्यावलीइपरेशकुहे २ एजिमदेवांतरधीआपेस्त्रीवर्ग जीहाएमलुएनोकनइविषइ मलइंतमांचतांधकरइ

रूकामाइरोगवे ए आवलियहिंआहियं धारतिरायलियाइह एवंयरमामरुइंया
कलोकत्रराजिनोजनवरमणस्तथ जेकोईएहजगमांहिसुरसा स्मतागारवरनइं विनइंवें गृधवली।कामे दानका नरमनुष्य×३
कीमोगाकस्या तेपालइ।तथाजेन× २ जीयासामोगीया यहवा× हिकामतोगनईविभई मूछितातगधुते अर

अरकायाइंसराईसोयणो ३ जेइहमायाएगानरा अश्रोवन्नाकामहिंमुछिया किवले
मरिषाधिकारदृष्ट तेदायकानजोगाई।समाधिनेमार्ग बलोएपदे आधकआहेदी जिमगुणादि बलरहितथाइ तेमगजेस्याधि
ताइमाकिहांइंधो× तांधंकरइंकसत्र ४ शकहिंवे कत्रीसमाचना काकिलोकइंनमकईं

समयगजिया नविजाणसमाहिमाहियं ध वाहणजहावविन्नए अबलेदोइगवयचोइ
तेमगमरणातमोमलगइं।अत्य तथाबलदनापरि।तेनहिनिकष्ट
धीमीसमथाई तेहमाइइ इंकरि पणिचालीनमकईसारथ
ए मसअतमोअपथामए नाइवचएमइलि